- अनुक्रम -

पृष्ठ क्र.

प्राक्कथन

अध्याय पहला - हिंदी नाटक साहित्य का विकास १ — ३९

पृष्ठभूमि

१.१ भारतेंदु युग

१.२ द्विवेदी युग

१.३ जयशंकर प्रसाद युग

१.४ स्वतंत्रतापूर्व कालीन नाटक (१९३४ से १९४७ तक)

१.५ छठे दशक का नाटक

१.६ सातवें तथा आठवें दशक का नाटक

१.७ शंकर शेष के नाटक

१.८ निष्कर्ष

अध्याय दूसरा - 'पोस्टर' नाटक में चित्रित समस्याएँ ४० — ७१

पृष्ठभूमि

२.१ आर्थिक समस्या

२.२ शिक्षा समस्या

२.३ शोषण समस्या

२.४ धार्मिक समस्या

२.५ अधिकार की समस्या

२.६ नारी समस्या

२.७ भ्रष्टाचार की समस्या

२.८ कानून की समस्या

२.९ निष्कर्ष

अध्याय तीसरा - 'पोस्टर' नाटक में चित्रित संघर्ष ७२ – १११

३.१ संघर्ष

३.२ 'पोस्टर' नाटक का संघर्ष

३.२.१ मालिक-मजदूर संघर्ष

३.२.२ शोषक-शोषित संघर्ष

३.२.३ आर्थिक संघर्ष

३.२.४ धार्मिक संघर्ष

३.२.५ सामाजिक संघर्ष

३.२.६ स्त्री-पुरुष संघर्ष

३.२.७ पति-पत्नी संघर्ष

३.२.८ मानसिक संघर्ष

३.२.९ निष्कर्ष

अध्याय चौथा - शिल्प की दृष्टि से 'पोस्टर' की विशेषताएँ ११२ – १५९

पृष्ठभूमि

४.१ कीर्तन शैली

४.२ मास्क/मुखौटे का प्रयोग

४.३ समूह नृत्य शैली

४.४ 'पोस्टर' का शिल्पविधान

४.४.१ कथावस्तु

४.४.२ पात्र तथा चरित्रचित्रण

४.४.३ कथोपकथन

४.४.४ देश, काल तथा वातावरण

४.४.५ उद्देश्य

४.४.६ भाषाशैली
४.४.७ अभिनेयता एवं रंगमंचीयता
४.४.८ गीतयोजना
४.४.९ शीर्षक
४.५ निष्कर्ष

अध्याय पाँचवा - प्रायोगिकता की दृष्टि से 'पोस्टर' नाटक की विशेषताएँ १६० — १८९
पृष्ठभूमि
५.१ 'पोस्टर' नाटक में मंचीयता
५.२ 'पोस्टर' नाटक में अभिनेयता
५.३ निष्कर्ष

- उपसंहार १९० — १९९
- परिशिष्ट २०० — २२०

डा.शंकर शेष का जीवनपट
डा.शंकर शेष की साहित्य संपदा
'पोस्टर' के मंचन से सम्बन्धित विभिन्न फोटो
डा. शेष के बिलासपुर के निवासस्थान की फोटो
डा.शंकर शेष की लिखावट,
डा. शंकर शेष स्मृति-समारोह पत्रिका
निर्देशक श्री जयदेव हट्टंगडी से साक्षात्कार
संदर्भ - ग्रंथ - सूची